

इतनी ज्यादा मात्रा है कि वर्षों तक वहां पर काम चल सकता है। तांबे की हमारे यहाँ कमी है। क्या मंत्री महोदय इस पर ध्यान देंगे कि वार के माफिक, बुद्ध-स्तर पर वहाँ काम हाथ में लिया जाये ताकि तांबे की कमी को पूरा किया जाये।

श्री बीजू पटनायक : वार के माफिक तो खदान में काम नहीं होता है, लेकिन जितना जल्दी काम खदान में हो सकेगा, वह किया जा सकेगा।

SHRI SOMNATH CHATTERJEE: We are happy that no new programme is being deferred. But is the Ministry going to take up any project for the exploitation of dolomite mines for getting super phosphate, in the Purulia district of West Bengal? Exploitation of minerals is a general subject. Will the Central Government assist the State Government in the exploitation of these mineral which are in short supply?

SHRI BIJU PATNAIK: The State Government is exploiting dolomite not only there, but also in North Bengal. The Central Government are in need of high quality dolomite for its tin-making plants; and government have instructed the Steel Authority of India to closely collaborate with the State Minerals Corporation of West Bengal in starting the proper and qualitative exploitation of minerals in that State.

SHRI JAGANNATH RAO: Under the Mines Act of 1952, minerals are classified as major and minor ones. Will government allow the State governments to exploit major minerals in the States?

SHRI BIJU PATNAIK: The State governments are already doing it under the State-owned corporations like the State Mineral Development Corporations. There are 20 State Mineral development corporations all

over the country. In Orissa, the major ores that they are developing, are iron ore and coal.

श्री तेज प्रताप सिंह : क्या मंत्री महोदय यह बातों की कृपा करेंगे कि उत्तर प्रदेश के बुन्देलखण्ड क्षेत्र हमीरपुर, बांदा, झांसी, जालोन जिलों में एक सर्व कराया गया था, लेकिन वह पिछड़े क्षेत्र हैं, उन में आज तक कोई भी खनिज पदार्थों के लिये कार्यवाही नहीं की गई है। तो क्या भविष्य में आगे कोई कार्यक्रम वहाँ पर रखेंगे ?

SHRI BIJU PATNAIK: I cannot answer it, because I have not understood the question. In any event, if the hon. Member wants, I will certainly look into it.

SHRI TEJ PRATAP SINGH: In the Bundelkhand region of UP they have not made any complete surveys. Will the hon. Minister chalk out a programme so that we can exploit the mineral resources of that area in future?

SHRI BIJU PATNAIK: If there are any indications of mineral deposits there, then the Geological Survey of India, which is under my control, will certainly look into it.

पांच हजार से अधिक जनसंख्या वाले मध्य प्रदेश के गांव में तार और टेलीफोन सुविधाएँ

* 775. श्री लक्ष्मी नारायण नायक : क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मध्य प्रदेश में ऐसे गांवों की संख्या कितनी है, जिनकी जनसंख्या पांच हजार से अधिक है और जहाँ तार तथा टेलीफोन सुविधाएं नहीं हैं; और

(ख) पांच हजार से अधिक की जनसंख्या वाले गांवों में तार और टेलीफोन की सुविधाओं की शीघ्र व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिये क्या प्रयास किये जा रहे हैं?

संघार संघी (श्री बृजलाल वर्मा)
(क) और (ख)—मध्य प्रदेश में ऐसे गावों की संख्या 13 है जिनकी आबादी 5,000 से अधिक है लेकिन वहां तार और टेलीफोन की सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। इन 13 स्थानों में से 8 स्थानों के लिए तार और टेलीफोन की सुविधाओं की मजूरी दे दी गई है। शेष 5 स्थानों के मामलों की जांच की जा रही है।

श्री लक्ष्मीनारायण नायक : आप ने अपने उत्तर में बताया कि ऐसे 13 स्थान हैं, जिन में 8 के लिये मजूरी दे दी गई है, शेष पांच स्थानों के लिये अभी जांच हो रही है। मैं जानना चाहता हूँ कि इन स्थानों के नाम क्या हैं ?

आप ने अभी जिन 13 स्थानों का उल्लेख किया है — इन में पी० सी० ओ० कितने स्थानों पर हैं और एक्सचेंज कितने स्थानों पर हैं ?

श्री बृजलाल वर्मा : अध्यक्ष महोदय, ये नाम अभी मेरे पास नहीं है। इस का नोटिस दिया जाय तो नाम बतला दूंगा।

श्री लक्ष्मीनारायण नायक : अध्यक्ष महोदय, ये केवल 13 नाम थे, हजार नाम नहीं थे। मंत्री महोदय को तैयारी कर के आना चाहिये था और यह सूचना यहां देनी चाहिये थी।

MR SPEAKER I think you are right The Minister should have got the names When there are only 13 names there is no justification for saying "I do not have the information"

श्री लक्ष्मीनारायण नायक : दूसरा सवाल—मैं जानना चाहता हूँ कि पी०सी० ओ० कितने हैं और एक्सचेंज कितने हैं ?

श्री बृजलाल वर्मा : मध्य प्रदेश में पब्लिक काल आफिसिज 467 हैं। एक्सचेंज 350 हैं।

श्री लक्ष्मीनारायण नायक : एक हजार से ज्यादा आबादी वाले गावों में तार और टेलीफोन लग सकें—क्या इस के लिये शासन की कोई योजना है ?

श्री बृजलाल वर्मा : एक हजार से ऊपर आबादी वाले सभी गावों में अभी यह सुविधा योजना के अन्तर्गत नहीं है। अभी यह सुविधा पांच हजार और दस हजार आबादी वाले स्थानों में है। एक हजार आबादी वाले गावों के लिये अभी कोई योजना नहीं है।

श्रीमती चन्द्रावती : क्या वज्जिर साहब बतलायेंगे—गावों में जहां पी०सी० आंज है, अगर वहां मैसेंजर सिस्टम नहीं है, तो पी०सी० आंज का क्या फायदा है ?

श्री बृजलाल वर्मा : कई जगह मैसेंजर सिस्टम है, कई जगह नहीं है। अध्यक्ष महोदय, मेरे पास वे 13 नाम जिनके लिये आपने कहा था, आ गये हैं, मैं बता देता हूँ

MR SPEAKER You are rather late Please answer her question

श्रीमती चन्द्रावती : मेरा सवाल यह था कि जहां पी०सी० ओ० है क्या वहां मैसेंजर है ? अगर मैसेंजर नहीं है तो उन का कोई फायदा नहीं है। तो क्या सरकार वहां मैसेंजर नियुक्त करने की कोशिश करेगी ?

श्री बृजलाल वर्मा सरकार इसकी कोशिश निश्चित करेगी।

SHRI L K DOLEY: Are Government aware that there are far-flung

areas in the north-eastern region of Assam and adjoining States where there are places with a population of more than 50,000 which have not been covered by telegraph and telephone facilities? Will Government take this into consideration and give priority to these areas which have been deprived of these facilities for years together?

श्री बृजलाल वर्मा : अध्यक्ष महोदय, जहाँ पर अभी सुविधायें नहीं है उन सुविधाओं को बढ़ाने की हम कोशिश कर रहे हैं और आप को मैं बता देना चाहता हूँ कि हम इस वर्ष करीब करीब दो हजार स्थानों में सुविधा देना चाहते हैं इस वर्ष दो हजार स्थानों में पी० सी० ग्रोज लग जाएंगे।

श्री शिवनारायण : मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि एक तो 13 नाम वह पड़ें और मेहरबानी कर के यह भी बता दें कि दिल्ली में जिन लोगों को चार चार और पांच पांच हजार रुपया आप के यहाँ जमा किया है उन को कब तक यह दे देंगे ?

श्री बृजलाल वर्मा : 13 गांव जहाँ पर कि अभी तार घर और पी० सी० ग्रो० खोलना है इस प्रकार हैं—कुफनार, धुलकोट, कनिबार, उपनबारा, धाना, लिचोरा, पृथ्वीपुर, सरनी, बड़ेकिलेपाल, बदरिया, मऊ, खोबियार घर और गलीधा।

ये 13 गांव हैं जहाँ पर कि हम तार-घर और पी० सी० ग्रो० खोलने जा रहे हैं। जो 8 मैंने बताए थे, वह 8 नहीं, 13 के 13 में खोले जाएंगे।

श्री राम प्रबोध सिंह : मैं मंत्री महोदय, से एक सफाई चाहता हूँ कि भारत में पीने 6 लाख गांव हैं उन में कितने गांव ऐसे हैं जिनकी आबादी पांच हजार से

ज्यादा है, इसका कैलकुलेशन क्या उन्होंने किया है और अगर किया है तो क्या जितने गांव 5 हजार से अधिक आबादी के आते हैं उन में टेलीफोन सुविधा देने की योजना उन के पास है ? अगर है तो कितने दिनों के अंदर देने की है ?

श्री बृजलाल वर्मा : अध्यक्ष महोदय, हम दो वर्षों में पांच हजार से ऊपर की आबादी के गांव हैं खास तौर से जो पिछड़े हुए एरियाज है ...

श्री राम प्रबोध सिंह : अध्यक्ष महोदय, पूरे मुल्क में पांच हजार से ज्यादा आबादी के कितने गांव हैं यह सवाल है हमारा।

श्री बृजलाल वर्मा : अध्यक्ष महोदय, मेरे पास इस समय संख्या नहीं है, संख्या बाद में बता दूंगा लेकिन मैं सदस्य महोदय को आश्वासन दे देना चाहता हूँ कि 2 वर्षों के अन्दर न सिर्फ 5 हजार की आबादी वाले गांवों में बल्कि हिली एरियाज में जो 2,500 आबादी वाले गांव हैं, वहाँ पर भी हम दो वर्ष के अन्दर इसकी सुविधाएं दे देंगे।

श्री भारत भूषण : पहाड़ में तो 2,500 की आबादी वाला कोई गांव नहीं है।

अध्यक्ष महोदय : तो, तो।

SHRI K. A. RAJAN: Whether it is in a village or town, public calls are charged at a higher rate. Normally people who cannot afford to have a telephone of their own, avail of this facility. Why should they be charged at a higher rate for such calls? Will the Minister look into the question of lowering the rates of calls so that it can benefit the common people?

श्री बृजलाल वर्मा : जहाँ पर ग्राम लोगों के लिए पब्लिक काल आफिसेज की अहरत

है, वहा पर गहरो मे हर जगह हम खोलने के लिए दियार हैं। जहा तक कास्ट का सवाल है, एक काल के पीछे जो 50 वैसे लगते हैं, वही लगेयें।

श्री राम कंबार बेरबा राजस्थान के जयपुर गहर मे 5 हजार की आबादी वाले बहुत अधिक गाव है लेकिन मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हू कि कितने लोगो के एप्लाय कराने पर आप टेलीफोन एक्सचेंज खोल देते हैं। आप की आल इंडिया पालिसी क्या है।

श्री बुजलाल वर्मा : अध्यक्ष महोदय, वैसे यह सवाल तो मध्य प्रदेश के बारे मे है लेकिन राजस्थान के बारे मे भी मैं यह कहना चाहता हू कि वहा पर जहा भी 5 हजार से ज्यादा की आबादी वाले गाव है, उन सब मे दो वर्ष मे हम टेलीफोन की सुविधाए दे देगे।

Losses in Posts and Telegraphs Department

+

*777 SHRI KANWAR LAL
GUPTA

SHRI SUKHDEO PRASAD
VERMA.

Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state

(a) the amount of losses in the Posts and Telegraphs Department in the last 3 years,

(b) what are its main causes and the steps taken by the Government to remove the same,

(c) whether Government have appointed some Committee to rationalise the rates of P&T Department and Telephone Department, and Telephone

(d) if so, the details thereof and the steps taken by the Government thereon?

THE MINISTER OF COMMUNICATIONS (SHRI BRIJ LAL VERMA)

(a) and (b) In the last three years,

the Posts and Telegraphs Department had a deficit only during 1975-76. The deficit was Rs 441 crores which was mainly due to the payment of five additional instalments of Dearness Allowance during that year (amounting to Rs 30 crores)

(c) No, Sir However, the rationalisation of tariffs is continuously under review of the P&T Department

(d) Does not arise

श्री कंबार लाल गुप्त अध्यक्ष महोदय, श्री माननीय मंत्री जी ने बताया है कि हम टेलीफोन की व्यवस्था बढ़ाने के बारे मे कोशिश कर रहे हैं और सब जगह टेलीफोन बढा रहे हैं लेकिन टेलीफोन की सुविधा बढ़ाते बढ़ाते जो क्वालिटी है वह गिरती जा रही है और दिल्ली मे 15, 15 दिन तक टेलीफोन ठीक नहीं होते हैं। अगर 197, 198 और 199 को टेलीफोन करते हैं, तो तीन तीन मिनट तक कोई जबाब नहीं देता है। इस तरह का क्रिमिनल नैगलीजेस टेलीफोन डिपार्टमेंट की तरफ से है। तो मैं मंत्री महोदय से पूछना चाहता हू कि दिल्ली मे अगर आप यह सुविधा दे रहे हैं, तो इस की क्वालिटी ठीक करे और उस सारी व्यवस्था को ठीक करने के लिए आप क्या कदम उठा रहे हैं और दिल्ली की लिस्ट को पूरा करने के लिए आप कितना समय लगे और उस के लिए क्या कदम उठा रहे हैं।

श्री बुजलाल वर्मा : अध्यक्ष महोदय जो माननीय सदस्य ने टेलीफोन मे बहुत सी गडबडिया के बारे मे कहा है उनको दुरुस्त करने के लिए हम कदम उठा रहे हैं। पहला कदम तो यह है कि जो कंबिन्ज है उनको प्रैशरराइजेशन सिस्टम से और गैस भर कर जल्दी से जल्दी फाल्ट्स कैसे मावूम हो सके इसके लिए कोशिश कर रहे हैं। दूसरे जैली फिल केबल के प्रयोग की कोशिश कर रहे हैं कि फाल्ट कम से कम आयें। तीसरे इस्ट्रुमेंट्स मे भी कुछ खराबी है। हमारे पास दो तरह के सिस्टम है, क्रोस बार सिस्टम और स्ट्राउजर सिस्टम।